

# गायत्री महामंत्र

ॐ भूर्भुवः स्वः ।

तत्सवितुर्वरेण्यं भर्गो देवस्य धीमहि ।

धियो यो नः प्रचोदयात् ॥

## भावार्थः

उस प्राण स्वरूप, दुःखनाशक, सुख स्वरूप, श्रेष्ठ, तेजस्वी, पापनाशक, देव स्वरूप परमात्मा को हम अन्तरात्मा में धारण करें। वह परमात्मा हमारी बुद्धि को सत्मार्ग में प्रेरित करें।

# Gayatri Mahamantra

Om Bhur Bhuvah Swah

Tat Savitur Varenyam Bhargo Devasya Dhīmahī  
Dhiyo Yo Nah Prachodayāt

## Meaning:

"We meditate on the transcendental glory of the Deity Supreme, Who is inside the heart of the Earth, inside the life of the sky and inside the soul of Heaven. May He stimulate and illuminate our minds."